शिप्किला दर्रे के रास्ते सीमावर्ती व्यापार के विस्तार के संबंध में
चीन लोक गणराज्य की सरकार और भारत गणराज्य
की सरकार के बीच प्रोतोकोल

....

चीन लोक गणराज्य की सरकार और भारत गणराज्य की सरकार;

दोनों देशों के बीच तथा दोनों देशों के लोगों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने और बढ़ाने के उद्देश्य से;

13 दिसम्बर, 1991 को नई दिल्ली में चीन लोक गणराज्य की सरकार और भारत गणराज्य की सरकार के बीच सीमावर्ती व्यापार पुनः शुरु करने के उद्देश्य से सम्पन्न ज्ञापन तथा सीमावर्ती व्यापार के लिए प्रवेश और निर्गम प्रक्रियाओं के संबंध में 1 जुलाई 1992 को सम्पन्न प्रोतोकोल के अनुसरण में;

चीन-भारत सीमावर्ती व्यापार को एक अतिरिक्त स्थान से बढ़ाने की इच्छा से;

नीचे लिखे अनुसार सहमत हुई हैं:

अनुच्छेद-एक

चीन लोक गणराज्य की सरकार और भारत गणराज्य की सरकार निम्नलिखित जगहों पर सीमा-व्यापार मंडियां स्थापित करेंगी:

§i§ चीन लोक गणराज्य के तिब्बत स्वायत्त प्रदेश के ज़ादा काउंटी में ज्यूबा।

§ii§ भारत गणराज्य के हिमाचल प्रदेश राज्य के किन्नौर जिले में नाम्ग्या,

अनुच्छेद- दो

सीमावर्ती व्यापार के सिलसिले में लोगों, पण्यों और परिवहन के साधनों का आना-जाना, पण्यों तथा परिवहन के साधनों का आदान-प्रदान शिप्किला दर्रे से होगा।

अनुच्छेद-तीन

सीमावर्ती व्यापार पुनः शुरु करने से सम्बद्ध ज्ञापन के सभी प्रावधान और इस ज्ञापन के

अन्तर्गत प्रवेश एवं निर्गम प्रक्रियाओं के लिए सम्पन्न प्रोतोकोल शिप्किला दर्रे के आर-पार सीमावर्ती व्यापार के लिए भी लागू होंगे।

अनुच्छेद-चार

चीन लोक गणराज्य की सरकार और भारत गणराज्य की सरकार के बीच लिखित सहमति से इस प्रोतोकोल में संशोधन अथवा परिवर्तन किया जा सकता है।

अनुच्छेद-पांच

यह प्रोतोकोल इस पर हस्ताक्षर होने के दिन से लागू हो जाएगा तथा दोनों देशों के बीच सीमावर्ती व्यापार को पुनः शुरू करने के संबंध में 13 दिसम्बर 1991 को नई दिल्ली में सम्पन्न ज्ञापन की वैधता तक वैध रहेगा।

में आज, ईसवी सन् एक हजार नौ सौ तिरानवे के सितम्बर मास के वें दिन चीनी, हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं में दो-दो मूल प्रतियों में सम्पन्न हुआ, ये तीनों पाठ समान रूप से प्रामाणिक हैं।

刘山在

चीन लोक गणराज्य की सरकार की ओर से

चन्द्रशेखर दासगुप्त

भारत गणराज्य की सरकार की ओर से